प्रभात फेरी के पश्चात शिविरार्थियो द्वारा सेहत हेतु व्यायाम किया गया। व्यायाम के पश्चात् परियोजना कार्य अंतर्गत गाम पंचायत थुहा के प्रमुख चौक–चौराहों की साफ–सफाई की गई एवं स्वयंसेवको द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वयंसेवको द्वारा स्वच्छता प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी मूलबिंदु पर आधारित 'नुक्कड़ नाटक' प्रमुख चौक पर प्रस्तुत किया गया एवं स्वच्छता के प्रति जन–जागरूक किया गया।

परियोजना कार्य के पश्चात् 'बौद्धिक परिचर्चा' आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. गुप्तेश्वर गुप्ता द्वारा अपने अनुभव साझा किए एवं स्वयंसेवकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित किए। विशिष्ट अतिथि डॉ. संजय शर्मा प्राध्यापक अर्थशास्त्र के द्वारा कोविड–19 से अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को बताया गया एवं एनएसएस की हमारे दैनिक जीवन मे महत्ता पर प्रकाश डाला गया। श्री आनंद सोनी प्राध्यापक अंग्रजी के द्वारा भाषा शैली के बारे मे महत्वपूर्ण बातें बतलाई गई। श्री रामकिशार यादव प्राध्यापक राजनीति विज्ञान के द्वारा एक अलमारी के उदाहरण के माध्यम से अपने दैनिक जीवन को व्यवस्थित करने के सन्दर्भ में बतलाया गया। अंत में श्री जानेन्द्र बंजारे, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

शाम को कार्यकम अधिकारी द्वारा स्वयंसेवको की समींक्षा ली गई जिसमें प्रभात फेरी, परियोजना कार्य, भोजन व्यवस्था के बारे में जानकारी ली एवं दी गई। रात्रि मे भोजन के पश्चात् सभी स्वयंसेवको के द्वारा सांस्कृतिक कार्यकम की तैयारी की गई।

सात दिवसीय विशेष शिविर का चतुर्थ दिवस (दिनांक–30.12.2022)

स्वयंसेवक जन–जागरण के लिए प्रातः कालीन 5:30 बजे प्रभात फेरी के लिए निकले जहां प्रेरक नारे लगाए गए एवं लक्ष्य गीत, होंगे कामयाब, नौ जवान आओ रे इत्यादि गीत गाए गए। इस प्रभात फेरी में महाविद्यालय से सुश्री शकुंतला साहू (व्याख्याता गणित) एवं श्रीमति ज्योति साहू (व्याख्याता भौतिकी) उपस्थित थी।

प्रभात फेरी के पश्चात् स्वयंसेवको के द्वारा व्यायाम किया गया। नवाचार की दृष्टि से व्यायाम सांस्कृतिक गानों के साथ किया गया। साथ ही साथ जुम्बा मोड में भी व्यायाम किया गया।

व्यायाम के बाद स्वल्पाहार के पश्चात् स्वयंसेवको के द्वारा परियोजना कार्य अंतर्गत नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत स्वयंसेवको द्वारा ग्राम के मुख्य चौराहो पर "नशा मुक्ति अभियान" सन्दर्भ मे 'नुक्कड़ नाटक' प्रस्तुत किया गया। इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशा के समाजिक, आर्थिक एवं बौद्धिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया।

चतुर्थ दिवस के बौद्धिक परिचर्चा में मुख्य अतिथि डॉ. एल. आर. डोंगरे प्राध्यापक भूगोल एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. अविनाश आर निचत, सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि द्वारा उद्‌बोधन मे कहा गया – हम लीडरशीप कैसे कर ? उन्होने अपने अनुभव साझा करते हुए जीवन में नियम, अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि डॉ. अविनाश आर निचत द्वारा अपने उद्‌बोधन के माध्यम से स्वयंसेवको को समाज के बारे मे जानने एवं सीखने के लिए प्रेरित किए उन्होने जीवन शैली में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के महत्व विषय पर सहजता एवं आत्मीयता से प्रकाश डाले। अन्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय से श्री चिरंजीव साहू (व्याख्याता भूगाल), श्री तोषण साहू (व्याख्याता प्राणीशास्त्र), श्री खूबचंद हिरवानी (व्याख्याता वाणिज्य), श्रीमति प्रीति देशमुख (व्याख्याता प्राणीशास्त्र), सुश्री राजेश्वरी वर्मा (व्याख्याता वनस्पति शास्त्र) उपस्थित थे। अंत मे श्री जानेन्द्र बंजारे कार्यकम अधिकारी एनएसएस द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

संध्या कालीन में सभी स्वयंसेवको द्वारा खेलकुद किया गया। तत्पश्चात् कार्यकम अधिकारी द्वारा स्वयंसेवकों की समींक्षा बैठक ली गई जिसमें प्रभात फेरी, परियोजना कार्य एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली व दी गई। रात्रिकालीन में सांस्कृतिक गतिविधि हेतु अभ्यास किए गए।

सात दिवसीय विशेष शिविर का पंचम दिवस (दिनांक–31.12.2022)

पंचम दिवस जनजागरण हेतु स्वयंसेवको द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में महाविद्यालय से सुश्री रामेश्वरी चक्रधारी एवं सुश्री चन्द्रकला निषाद उपस्थित थे। प्रभात फेरी में ग्रामीणजन को सम्मिलित कर प्रेरक नारों का वाचन किया गया एवं एनएसएस लक्ष्य गीत गाए गए।

प्रभात फेरी के पश्चात् स्वयंसेवको द्वारा व्यायाम किया गया।

परियोजना कार्य में सभी स्वयंसेवको द्वारा गांव के हर गली चौराहों में स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया गया साथ ही साथ ग्रामीण जन को स्वास्थ्य हेतु जागरूक किया गया।

पंचम दिवस के बौद्धिक परिचर्चा में अतिथिगण डॉ. भुवाल सिंह ठाकुर (प्राध्यापक हिन्दी), डॉ. प्रदीप कुमार जांगड़े(प्राध्यापक वाणिज्य), श्री रामकिशोर यादव (प्राध्यापक राजनीति विज्ञान), श्री मधुकर सर (हेडमास्टर, बगदेही विद्यालय), सम्मिलित हुए । डॉ. भुवाल सिंह ठाकुर द्वारा 'लोक सांस्कृति और युवा' विषय पर गहन विचार रखा गया। उन्होंने उद्‌बोधन में कहा कि एनएसएस जीवन के रचनात्मक पहलूओं को जागृत करने का मंच है । संवाद के माध्यम से उन्होंने छ.ग. की लोक संस्कृति की परिचय प्रस्तुत किए। 'छत्तीसढ़िया सबले

बढ़िया' के सार्थक भाव को स्वयंसेवको के समक्ष रखे भोजली गीत को रेखांकित करते हुए वे बतलाए कि छ.ग. जन दुनिया में सूखे के विरूद्ध मंगलकामनाए करता हैं।

श्री रामकिशोर यादव द्वारा साइबर सिक्योरिटी, संचार कांति एवं विधिक पहलूओ पर बात रखी गयी । उन्होंने स्वयंसेवको को आईटी के सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्षो के समक्ष रखते हुए स्वयंसेवको को साइबर काइम के प्रति सचेत रहने हेतु प्रेरित किए । डॉ. प्रदीप कुमार जांगड़े ने वित्तीय जागरूकता एवं समय प्रबंधन निकाय पर विस्तृत उद्‌बोधन दिए, जिनमें विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के बारे मे बताए । 70 वर्ष के सिद्धांत के माध्यम से समय के महत्व पर सटीकता के साथ प्रकाश डाले। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में दो महत्वपूर्ण बाते कही – टाइम मैनेजमेंट इस लाइफ मैनेजमेंट, 1 इंच सोना से 1 सेकंड भी नही खरीदा जा सकता । वित्तीय जागरूकता के बारे में बतलाते हुए 'आय–बचत = खर्च' समीकरण पर रेखांकित करते हुए वित्तीय प्रबंधन के सहज उपाय बताए।